समय के गणित के साथ तीव्र पुरूषार्थ का सम्बन्ध

कुछ लोग कहते हैं कि "हमें ईश्वरीय ज्ञान मार्ग में आये हुए बहुत थोड़े वर्ष हुए हैं जबकि अन्य कुछ लोग हमारी तुलना में बहुत वर्ष पहले ही से ज्ञान और योग का पुरूषार्थ करते चले आ रहे हैं। अतः अब जब हम विश्व में परिस्थितियों को बहुत तीव्र गति से बदलता देखते हैं और ऐसा महसूस करते हैं कि अब सृष्टि के महाविनाश और सतयुग के प्रारम्भ में बहुत थोड़ा ही समय रह गया है तो हमें ऐसा महसूस होता है कि हमें पुरूषार्थ के लिए बहुत कम समय मिला है"। मान लीजिये कि किसी को योगाभ्यास, दिव्यगुणों की धारणा इत्यादि के लिए 50 वर्ष मिले और हमें तो इस पुरूषार्थ में लगे हुए 10 वर्ष ही हुए हैं, तब हम ऐसा सोचते हैं कि "हमारा तो उन योगाभ्यासियों से कोई मुकाबला ही नहीं है जिन्हें 50 वर्ष हुए हैं। ऐसा सोचकर मन थोड़ा उदास-सा हो जाता है। ऐसा होना स्वाभाविक है ना!"

ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

इस विषय में यह सोचने की ज़रूरत है कि पृथ्वी द्वारा सूर्य के चक्कर लगाने में जो दिन-रात बनते हैं और दिनों से जो मास और मास से फिर वर्ष बनते हैं, उस गणित के आधार पर तो निःसंदेह 50 वर्ष हो गये हैं। परन्तु वास्तव में प्रश्न इन वर्षों का नहीं है। प्रश्न यह है कि उन्होंने 50 वर्षों में कितना भाग 'युक्तियुक्त' पुरूषार्थ में लगाया। यदि उनका पुरूषार्थ ढीला-ढाला रहा है तब तो उनके 50 वर्ष केवल 5-7 वर्ष या 8-10 वर्ष ही के बराबर है। उदाहरण के तौर पर, एक व्यक्ति एक देश से दूसरे देश और फिर तीसरे देश में भू-भाग से बैलगाड़ी के द्वारा जाता है, दूसरा व्यक्ति मोटर-साइकिल से जाता है, तीसरा रेलगाड़ी के माध्यम से और चौथा हवाई जहाज के द्वारा। स्पष्ट है कि बैलगाड़ी के द्वारा सड़क से यात्रा करने वाले को जिस मंज़िल पर पहुँचने में 10 वर्ष लगेंगे, उस मंज़िल पर दूसरा व्यक्ति तो वायुयान के द्वारा शायद 5 घंटों में ही पहुँच जायेगा। अतः चींटी मार्ग से जाने में कई वर्षों का अन्तर पड़ जाता है। इसी प्रकार, अध्यात्म में प्यादे, घुड़सवार, रथी, महारथी और अतिरथी अलग-अलग गति वाले पुरूषार्थी हैं, दूसरे सब नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार हैं।

कुछ लोग ऐसे हैं जो छोटी-छोटी बातों में अपना समय व्यर्थ गँवाते रहते हैं। इसलिए अधिक समय से आये हुए होने के बावजूद भी वे पीछे रह जाते हैं। उनका समय बरबाद हो जाता है। अतः प्रश्न उठता है कि वे कौन-कौन सी मुख्य बातें है जिनके कारण दीर्घ समय पुरूषार्थ के लिए छोटा हो जाता है अथवा वे कौन-से विघ्न हैं जिसके कारण व्यक्ति तीव्र पुरूषार्थ नहीं कर सकता और उसकी गति साधारण से भी मन्द हो जाती है। यहां हम उनमें से कुछेक का उल्लेख करेंगे...

आलस्य

आलस्य मनुष्य का बहुत ही समय खराब करता है। कभी शारीरिक कारणों से और कभी किन्हीं मानसिक कारणों से मनुष्य यह सोचता है कि अभी मैं यह कार्य नहीं कर सकता। उसे विश्राम और निद्रा अधिक प्रिय हो जाते हैं। वह मेहनत से बचना चाहता है। उसके मन में यह सूक्ष्म भावना बनी रहती है कि कार्य न करना पड़े तो अच्छा। आगे बढ़ने का अवसर मिलने पर भी वह अपनी सुस्ती की वजह से आगे नहीं बढ़ पाता। प्रातः अमृतवेले चुस्त होकर योग में नहीं बैठता बल्कि आलस्य शय्या पर पड़ा रहता है। सोचता है, थोड़ा और सुस्ता लूँ, योगाभ्यास तो बाद में भी कर सकता हूँ। शरीर द्वारा सेवा करने के बजाय वह दूसरों से सेवा लेना अधिक पसन्द करता है और इस प्रकार, अपने जीवन को सफल नहीं कर पाता। मान लीजिये कि किसी व्यक्ति को ज्ञान और योग के इस पुरूषार्थ रूपी मार्ग पर आये 50 वर्ष हुए हैं। यदि उनमें से 5 वर्ष तक बार-बार आलस्य के वश होने के कारण वह तीव्र पुरूषार्थ नहीं कर सका तब उसके तो 50 में से 45 वर्ष ही उसे मिले। पाँच वर्ष तो उसने आराम-पसंदी में और समय हराम करने में लगा दिये। इस प्रकार, उसने 5 वर्ष का अनमोल समय गँवा दिया।

अलबेलापन

कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके स्वभाव में गंभीरता बिल्कुल नहीं होती या कम होती है। वे किसी महत्त्वपूर्ण बात को भी ठीक तरह महत्त्व नहीं देते। हर बात में सोचते हैं कि 'क्या फर्क पड़ता है'! जब उनको यह कहा जाता है कि सृष्टि का महाविनाश निकट भविष्य में होने वाला है इसलिए योगयुक्त अवस्था धारण करने के लिए मेहनत करने की आवश्यकता है, तो वे कहते हैं -"अरे यार, सब-कुछ हो जायेगा; तुम चिन्ता मत करो। सारा समय योग थोड़ा ही करना है! हम तो सुखपूर्वक चलेंगे फिर जो कुछ होगा सब देखा जायेगा। सभी लोग सतयुग में थोड़े ही जायेंगे! जो बाकी दुनिया के साथ होगा, वही हमारे साथ होगा।

- शेष पेज 7 पर

नासिक-महा.। महाराष्ट्र शासन के कृषि विभाग द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में पिछले अनेक वर्षों से शाश्वत यौगिक खेती करने वाले किसान ब्र.कु. भगवान रामजी इंगोले को 'कृषिभूषण सेन्द्रिय खेती' प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित करते हुए राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी तथा उपमुख्यमंत्री अजित पवार। इस मौके पर कृषि मंत्री दादाजी भुसे, महसुल मंत्री बाळासाहेब थोरात, अन्न तथा नागरी पुरवठा मंत्री छगन भुजबळ, कृषि राज्यमंत्री विश्वजीत कदम, राज्यमंत्री भांबरे, राज्य के कृषि सचिव धीरज कुमार व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ब्र.कु. भगवान के साथ यह पुरस्कार प्राप्त करते हुए उनकी लौकिक माताजी गयाबाई इंगोले तथा वसंत नगर नांदेड़ सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. स्वाती बहन।

मुम्बई-सांताक्रूज़। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ की उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. मीरा दीदी के 75वें जन्मदिन एवं उनकी अलौकिक ईश्वरीय सेवाओं के 60 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में दीदी को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन द्वारा 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस' से डॉ. संतोष शुक्ला,प्रेसिडेंट,वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ. सुचित्रा शुक्ला, बॉलीवुड एक्टर एंड म्युज़िक डायरेक्टर उस्मान खान, ब्र.कु. कमलेश बहन,सेवाकेन्द्र संचालिका,सांताक्रूज़ ईस्ट, राजयोगिनी ब्र.कु. योगिनी दीदी,निदेशिका,विले पार्ले सबज़ोन, बहन अल्का केरकर,कॉर्पोरेटर,एच वेस्ट वॉर्ड एवं पूर्व डिप्टी मेयर, बहन हेतल गाला,कॉर्पोरेटर,वॉर्ड नं. 97 सांताक्रूज़ वेस्ट,वाइस प्रेसिडेंट,मुम्बई नॉर्थ सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट मुम्बई, गायक पूजा सदारंगनी व मोहन शेट्टी तथा अन्य गणमान्य अतिथियों सहित बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

रतलाम-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के दिव्य दर्शन भवन सेवाकेन्द्र द्वारा 'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम के उद्घाटन अवसर पर जेवीएल मांगल्य मंदिर प्रबंधक महावीर जी, उद्योगपति समाजसेवी अनोखी लाल कटारिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनीता कटारिया, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीप व्यास, मुखर्जी मंडल अध्यक्ष चेतना पाटीदार, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मीना टांक, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. आरती बहन व अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

पन्ना-म.प्र.। मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए श्रीमति निशा जैन,पूर्व प्राचार्य,शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, श्रीमति मंजुलता जैन,अधिवक्ता, श्रीमति रचना पाठकर,अध्यक्ष,लीनेस क्लब, श्रीमति राखी पाठकर, उप सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सीता बहन तथा अन्य।

काकीनाड़ा-आ.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कोरोना के समय अपनी अथक सेवायें देने वाली नर्सेस को प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर हॉस्पिटल इंचार्ज एम.आदित्य कृष्णा गरु, सीनियर डॉक्टर कृष्णम राजू गरु तथा नर्सेस सहित चालीस लोग उपस्थित रहे।

बेंगलुरु-बसावनगुड़ी(कर्नाटक)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ के वरदानी भवन सेवाकेन्द्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीमति डॉ. सरस्वती रमेश,सीनियर ऑब्स्टेट्रीशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट,अनुग्रह नर्सिंग होम,बैंगलोर, डॉ. प्रेमा प्रकाश,विवेकानंद हॉस्पिटल,बैंगलोर, ब्र.कु. डॉ. प्रमोद,फेमस आयुर्वेदिक एंड होम्योपैथी डॉक्टर, आनंद जी,नर्सिंग ऑफिसर, आर.जी.आई.सी.डी., नागराज स्वामी,नर्सिंग ऑफिसर,आर.जी.आई.सी.डी., श्रीमति पूवम्मा,सीनियर नर्सिंग सुपरिन्टेंडेंट, श्रीमति रतना,नर्सिंग सुपरिन्टेंडेंट, गंगाधर जी,प्रोफेसर,नर्सिंग कॉलेज, विनय कुमार,सीनियर नर्सिंग ऑफिसर,एनआईएमएचएएनएस, राजयोगिनी ब्र.कु. अम्बिका दीदी तथा 120 नर्सेस सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

नरसिंहपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के दिव्य संस्कार भवन सेवाकेन्द्र में 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' प्रोजेक्ट के अंतर्गत 'दया और करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' थीम के उद्घाटन एवं मातृ दिवस के कार्यक्रम में गोंडवाना महासभा की नगर अध्यक्ष बहन तरुण लता, महिला मोर्चा की महामंत्री बहन भारती कौरव, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम दीदी, ब्र.कु. वंदना बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

जबलपुर-नेपियर टाउन(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के भवरताल स्थित सेवाकेन्द्र द्वारा नर्सेस के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. एस.के. पांडे,सिविल सर्जन,विक्टोरिया हॉस्पिटल, डॉ. निशा साहू,एलगिन हॉस्पिटल, ब्र.कु. वर्षा बहन, बहन शशि चड्ढा,नर्स स्टाफ, प्रमुख डीपी नायर, ब्र.कु. प्रियंका बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

धमतरी-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर आयोजित 'एक आवाज़ नेतृत्व का' विषयक कार्यक्रम में रेडियोलॉजिस्ट डॉ. आस्था नंदा, डेंटिस्ट डॉ. श्रुति वासानी, राजयोगिनी ब्र.कु. सरिता दीदी, ब्र.कु. नवनीता बहन व साठ नर्सेस सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

मालिया हाटीना-गुज.। आत्म निर्भर किसान अभियान के उद्घाटन एवं सेवाकेन्द्र के 29वें वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. जमीला बहन,मा. आबू, केशोद सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रूपा बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मिता बहन, सरपंच जीतू भाई, सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र भाई गांधी, भाजप प्रमुख राजेश भाई भालोदिया, जिला सहकारी खरीद संघ के प्रमुख लक्ष्मण भाई यादव, तालुका के सरपंच तथा अन्य।

खेड़ा-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र के 14वें वार्षिकोत्सव के कार्यक्रम में नाडियाड सेवाकेन्द्र की ब्र.कु. संध्या बहन, ब्र.कु. तरु बहन, ब्र.कु. दक्षा बहन, महिला मोर्चा प्रमुख पीनल बहन, खेड़ा गांव के नामी-ग्रामी मुस्लिम समाज के हाई स्कूल के ट्रस्टी खमिसा भाई सिंधी, सुरेश भाई,बिज़नेस मैन व अन्य अतिथियों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।